"हिंदुस्थानी संगीत पद्धति सीरीझ."

गीतमालिका.

भाग १४ वा.

संपादक

पं० विष्णु नारायण भातखंडे,
बी. ए. एलएल. बी.

जेन्टलमन माणेकजी बरजोरजी मिनोचेहेरहोमजी "मुंबई समाचार प्रेस" के
मालिकने मुंबई, कोट, [illegible] रोड, मुंबई समाचार
छापखानेमें छापकर वहांसेंही प्रसिद्ध किया है.

मुंबई.

१९२०.

किंमत रु. ०—४—०.

गातना लिहितांना वापरलेल्या "नोटेशन" चिन्हांचा खुलासा.

"रि, ग, ध, नि," या स्वरांच्या खालीं "—" अशी आडवी रेघ असल्यास ते "कोमल" आहेत असें समजावें. तशी नसली तर तीव्र समजावे.

"म" असा लिहिलेला "शुद्ध" अथवा "कोमल" समजावा, व

"मं" असा लिहिलेला "तीव्र" समजावा.

ज्या स्वरांच्या खालीं बिंदु असेल ते "मंद्र" स्थानचे, व ज्यांच्या माथ्यावर असेल ते "तार" स्थानचे समजावे. बिंदु शिवायचे सारे स्वर "मध्य" सप्तकाचे समजावे.

"‿" अशा चिन्हांत लिहिलेले स्वर एका मात्रेच्या कालांत गावयाचे आहेत.

"⁀" हें चिन्ह कोणत्या स्वरापासून कोणत्या स्वरापर्यंत "मींड" आहे, हें दाखवील.

कोठें कोठें स्वरांच्या डोक्यावर डाव्याबाजूला लहान टाइपनें छापलेले स्वर आहेत. ते "Grace Notes" समजावे. ते अलंकारिक स्वर आहेत. नवीन विद्यार्थ्यांस हे बारीक "कण" अथवा "ग्रेस नोट" गळ्यानें अथवा हातानें काढतां न आले, तरी त्यांच्या अभावें गायनास हानि होईल असें नाहीं. ते लावतां आल्यानें गायन अधिक रंजक होइल, हे मात्र खरें आहे. जसें दागदागिन्यांनीं स्वाभाविक स्वरूप अधिक शोभतें, पण ते नसल्यानें बिघडत तर नाहींच.

स्वरापुढें "—" असें चिन्ह असेल, तेथें मागला स्वर एक मात्रा लांबवावयाचा आहे, अथवा तितकी विश्रांति आहे, असें समजावें. हें कृत्य अभ्यासानें सहज समजतें.

गीताच्या शब्दांत जेथें "ऽ" असें अवग्रह चिन्ह येईल, तेथें मागल्या अक्षरांतला अंत्य स्वर (अकार, उकार इ.) एक मात्रा लांबणार आहे असें समजावें, किंवा तितकी विश्रांति आहे, असेंही समजतां येईल.

"X" हें चिन्ह गायनाच्या तालाची "सम" दाखवील. "सम" हा पहीला ठोका मानून पुढील ठोके त्याच्या धोरणानें समजून घ्यावे.

"०" हें चिन्ह तालाची "खाली" म्हणजे "रिकामी" जागा दाखविण्यासाठीं आहे.

(प) एखाद्या स्वराला असें "कंस" चिन्ह दिलें असलें, तर तेथें एक स्वर वरचा व एक खालचा जोडावयाचा आहे असें समजावें. उ. (प)=ध प म प सा=री सा नि सा, इ.

ગ ધ ની સ્વરોની નીચે આવી — લીટી હોય ત્યારે તેમને
તે તેવી લીટી વગરનાને તીવ્ર સમજવા.

મ એટલે શુદ્ધ અથવા કોમળ મધ્યમ સમજવો અને ઉપર લીટી સાથે આવો મં હોય તો તેને તીવ્ર સમજવો.

વળી જે સ્વરોની નીચે મીંડુ હોય તેમને મંદ્ર સપ્તકના અને જેમની ઉપર મીંડુ હોય તેમને તાર સપ્તકના સમજવા. મીંડા વગરના સ્વરોને મધ્ય સપ્તકનાજ સમજવા.

જે સ્વરોની નીચે ‿ આવી નીશાની હોય તેમને એકજ માત્રામાં સમાતા સમજવા અને જેમની ઉપર ⁀ આવી નીશાની હોય તેમને મીંડથી લેવાના છે એમ જાણવું.

અમુક સ્વરનાં ડાબાં ઉપલાં ખુણામાં ઝીણો બીજો જે સ્વર મેલ્યો હોય તેને કણ અથવા ગ્રેસ નોટ સમજવી. જો તેવા કણો શુરૂઆતના શીખાઉઓથી વગાડી કે ગળાંથી કહાડી નહી શકાય તોપણ તેથી રાગ બગડશે એમ સમજવાની તેઓએ ભુલ કરવી નહી, કેમકે કણ રાગનાં ઘરેણાં જેવા હોવાથી જેમ એક આસામી ઘરેણું નહી પેહેરે તોપણ તે ઓળખાઈ આવે છે તેમ રાગ કણનાં ગેરહાજરી છતાં બગડતો નથી પણ માત્ર તેની ખુબીજ કાંઈક ઓછી થાય છે.

સ્વરની પછી — આવી નીશાની હોય તો તેજ સ્વર ફરી ગાવા કે વગાડવાનો અથવા તો તે ઉપર એક માત્રા થોભવાનું છે એમ સમજવું.

ગાયનના શબ્દોમાં જ્યાં ડ આવી નીશાની આવે ત્યાં તેને અવગ્રહ સમજવો એટલે ગાયનના જે અક્ષરની પછી તે મેલેલી હોય તેમાં સમાયલો અકાર ત્યાં બોલવાનો છે અથવા તો તે અક્ષર ઉપર એક માત્રા થોભવાનું છે એમ સમજવું.

આવી X ચોકડીની નીશાની તાલનો સમ બતાવવા માટેની છે અને શાસ્ત્રના નીયમ પ્રમાણે હમેશ સમનેજ પહેલી તાલ ગણી તેને હેસાબે બીજી તાલો માંડવામાં આવે છે જે તેના બે ત્રણ વગેરે આંકડાથી સમજાય છે. ખાલી માટે આવું મીંડુ ૦ વાપરવામાં આવે છે.

(૫) કોઈપણ સ્વરને આ પ્રમાણે કૌંસમાં લખેલો હોય તો તેનો અર્થ એમ સમજવો કે તેની પછીનો સ્વર, તે સ્વર, તેની આગળનો સ્વર અને તે સ્વર પાછો એવા ચાર સ્વરો એકજ માત્રામાં લેવાના છે: જેમકે (પ)=ધ પ મ પ; (રે)=ગ રે સા રે; ગ=મ ગ રે ગ (ધ)=ની ધ પ ધ.

कालिंगडा—त्रिताल.

प

ध प (ग)म ग	म - प प	(प)ध - ध ध	प - (प)ध म
हो ऽ ने ल	गो ऽ प र	भा ऽ त स	खी ऽ अ व ।
०	३	×	२
(म)प - (ग)म ग	म - प प	ध - ध ध	प - - -
हो ऽ ने ल	गो ऽ प र	भा ऽ त स	खी ऽ ऽ ऽ ।
०	०	×	२
(म)ग म ग री	ग म प -	(म)ग म ग (ग)री	- री सा -
बो ऽ ल त	के ऽ की ऽ	की ऽ र को	ऽ कि ला ऽ ।
०	३	×	२
नि सा ग म	प ध नि नि	सां - नि ध	प - (प)ध म
कु सु म क	म ल वि क	सा ऽ त स	खी ऽ, अ व ॥
०	३	×	२

अंतरा.

प ध प ध	नि नि सां सां	(नि)सां रीं सां रीं	नि नि सां सां
अ रु न कि	र न स खि	पु र व प्र	का श भ यो ।
०	३	×	२
(सां)नि - सां रीं	(रीं)सां नि प ध	नि सां नि ध	प - (प)ध म
भो ऽ र भ	यो ऽ नि स	जा ऽ त स	खी ऽ, अ व ॥
०	३	×	२

ह।

धृ	निृ पृ	सा -	- सा	- सा	री -
ज र	ऽ त	तो ऽ	ऽ रे	ऽ क	मा ऽ।
३	४	×	०	२	०
रीसा	- सा	निृनिृ	सासा	- सा	री -
न जूं	ऽ के	व ल	ऽ व	ऽ ल	जैं ऽ।
३	४	×	०	२	०
- सा	निृसा	निृसा	री धृ	निृ पृ	मृ पृ
ऽ ये	ऽ ऽ	पी ऽ	र मे	ऽ रे	सा ऽ।
३	४	×	०	२	०
धृ निृ	सा री	ग -	- री	- सा	निसारी
ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ चो	ऽ, ह॥
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

म प	नि नि	सां -	सां नि	सांसां	नि सां
शम् सो	ला र	फी ऽ	न मे	ऽ रे	दु ख।
३	४	×	०	२	०
सां रीं	- सां	निसां	रीं ध	नि प	म म
द री	ऽ द्र	दू ऽ	र क	र न	औ र।
३	४	×	०	२	०
प	नि प	निसां	- रीं	सां -	म प
ऽ रो	श न	दो ऊ	ऽ ज	हां ऽ	ऽ ऽ।
३	४	×	०	२	०
सां -	नि प	म प	नि ग	- री	सारी
ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	न, ह॥
३	४	×	०	२	०

प ग मग रि	री सा रेनि	सा - - म	- ग -
ल ण ऽ मैं	डे ऽ ऽ घर	आ ऽ ऽ वीं	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	१	×	२
निसा गम प प	- म ग म	प म - -	निसांसां
सो ऽ ऽ णा	ऽ ऽ ऽ ऽ	मी यां ऽ ऽ	ऽ तो ऽ में।
०	१	×	२
सांरींसांनि	- पध प	(प) म ग	प म गम नि
तें डे डी ऽ	ऽ ऽ सद के	ऽ जैं ऽ ऽ	ऽ वे ऽ, ढो॥
०	१	×	२

अंतरा.

सा नि - नि	सांसांसां -	नि ध प म	प ग म म
मु ख ऽ डा	ऽ तें डा ऽ	वे ऽ खां तो	मैं जी ऽ वां।
×	२	०	१
म म - प	नि सां सां -	रीं सां - नि	- ध - प
स दा ऽ रं	गी ऽ ले ऽ	दू र ऽ स	ऽ तें ऽ डा।
×	२	०	१
(प) म ग	प म गम नि		
ऽ पा ऽ ऽ	ऽ वीं ऽ, ढो॥		
×	२		

अहीर भैरव—झपताल. (एक प्रकार.)

मगमम	सा सा री	(म)ग म	म म म
रा ऽ	धि का ऽ	र म	णु गि र।
×	२	०	३
(ग)म ग	री (म)ग प	मगमग	(ग)री - सा
ध र	न गो ऽ	पी ऽ	ना ऽ थ।
×	२	०	३
(नि)सां री	सा सा री	(म)ग म	म - म
म द	न मो ऽ	ह न	कृ ऽ ष्ण।
×	२	०	३
म म	प म ग	री गरी	ग म प
न ट	व र वि	हा ऽ	ऽ ऽ री॥
×	२	०	३

अंतरा.

(ग)म -	म (म)री -	म -	प प प
रा ऽ	स ली ऽ	ला ऽ	र सि क।
×	२	०	३
म म	म प ध	(सां)नि -	धप ध प
ब्रि ज	जु व ति	प्रा ऽ	न प ति।
×	२	०	३
प ध	म प ध	म म	मग (ग)री सा
स क	ल दु ख	ह र	न गो ऽ।
×	२	०	३
सा प	म (प)ग -	री गरी	ग म प
ग ण	न चा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ री॥
×	२	०	३

कामोद—त्रिताल.

[री]म री प प	- प ध प	[प]ग म प [म]ग	मसा [सां]रीसा
ऋ त व सौं	ऽ त स खि	मो ऽ म न	भा ऽ व त ।
×	२	०	३
सा सा [म]ग [म]ग	[म]री - सा सा	सा - री सा	[सा]ध़ - प़ प़
र स व र	सा ऽ व त	मो ऽ द व	ढा ऽ व त ।
×	२	०	३
प़ - सा सा	री री सा सा	[म]ग म प ग	[ग]मसा रीसा
का ऽ मु क	ज न म न	नि त त र	सा ऽ व त ॥
×	२	०	३

अंतरा.

प प सां -	सां सां [सां]रीं सां	सां ध सां रीं	सां - ध प
न व प ऽ	ल्ल व न व	कु सु म सु	मं ऽ डि त ।
×	२	०	३
सा सा म ग	प प ध प	[म]ग म प ग	मसा रीसा
ह र रं ग	त र व र	अ त ह र	खा ऽ व त ।
×	२	०	३

देशकार—मत्तताल.

(प)ध -	प ध	- प	ग री	सा -
पा ऽ	क ना	ऽ म	गु रु	को ऽ।
×	०	२	३	०

सा धृ	सा री	ग पग	प प
र ट	म न	नि स	दि न
४	५	६	०

(प)ग -	प ध	सां -	रीं सां	ध प
जा ऽ	सों ऽ	हो ऽ	त तु	र त।
×	०	२	३	०

सां (ध)प	ध प	ग री	सासा
भ त्र	सिं ऽ	धु त	र न॥
४	५	६	०

अंतरा.

प ग	प ध	सांसां	सां -	सांसां
जो इ	जो इ	श र	णा ऽ	ग त।
×	०	२	३	०

सां ध	सां रीं	सां रीं	सां ध
गु रु	च र	णां ऽ	बु ज
४	५	६	०

सां -	गं रीं	(सां)रीं सां	- (सां)ध	- प
पा ऽ	व त	ह र	ऽ रौं	ऽ ग।
×	०	२	३	०

सां प	ध प	ग री	सासा
नि त	प र	मा ऽ	त म॥
४	५	६	०

कालिंगडा—एकताल.

[म]ग	म	ग	री	सा	री	नि	नि	सा	री	ग	ग
ध	न	ध	न	स	खि	स	फ	ल	ज	न	म।
×		०		२		०		३		४	
ग	म	प	ध	प	ध	म	ध	प	[म]ग	म	ग
ज़ा	ऽ	के	ऽ	अ	नु	कू	ऽ	ल	स	ज	न॥
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

ग	म	ग	म	ग	म	प	ध	प	ध	प	प
म	लि	न	व	स	न	वि	न	आ	भ	र	न।
×		०		२		०		३		४	
[प]ध	-	ध	ध	नि	नि	सां	नि	प	ध	म	प
जो	ऽ	ब	न	म	द	न	हि	न	ह	स	न।
×		०		२		०		३		४	
[म]ग	-	म	म	म	-	ध	-	प	ग	म	ग
ओ	ऽ	छ	त	ना	ऽ	व	ऽ	क	ग	म	न।
×		०		२		०		३		४	
नि	-	सां	नि	ध	प	ध	नि	[प]ध	प	[ग]म	ग
प्रे	ऽ	म	व	ढ	त	र	हे	नि	स	दि	न॥
×		०		२		०		३		४	

बागेश्री--झपताल.

[सां]म ग	री सा -	[ध]नि ध	सा सा -
गा ऽ	बो बा ऽ	गे ऽ	स री ऽ
×	२	०	१
सासा	[सां]म म म	म म	[म]प [म]ग -
मृ दु	ल ग त	सु र	ग नी ऽ।
×	२	०	१
मग म	[म]नि ध नि	सांसां	सां - सां
स्व र	हा ऽ र	प्रि य	ठा ऽ ठ।
×	२	०	१
सां -	[नि]ध नि ध	म म	[म]प [म]ग -
ती ऽ	व र क	र त	ध री ऽ।।
×	२	०	१

अतरा.

[म]ग म	[म]नि ध नि	सां -	सां - सां
म ऽ	ध्य म क	रे ऽ	जा ऽ न।
×	२	०	१
[नि]सांसां	रीं - सां	निसां	नि - ध
स म	वा ऽ दि	सा ऽ	मा ऽ न।
×	२	०	१
[ध]नि -	ध म [म]प	[म]ग -	री - सा
पौं ऽ	च म क	रे ऽ	अ ऽ ल्प।
×	२	०	१
रे सा	नि ध नि	सा ऽ	म ग ऽ।
×	२	०	१
म ध	नि ध म	प ग	मग रे सा।।
×	२	०	१

रामकली—एकताल.

(नि)सां
में

(ग)म	गम	प	प	(म)प	(नि)ध	-	(ध)नि	ध	प	-	(ग)म
हा	ऽ	दि	ल	ल	गा	ऽ	तें	डे	रे	ऽ	ना।
१		४		×		०		२		०	
(ग)री	ग	म	प	(ग)म	-	ग	मग	(ग)री	-	सा	(नि)सा
लू	सा	ज	न	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	में॥
१		४		×		०		२		०	

अंतरा.

	म	प	प	(नि)ध	-	-	नि	सां	-	-	(नि)सां
ऽ	सो	ह	नि	सू	ऽ	ऽ	र	त	ऽ	ऽ	तें।
१		४		×		०		२		०	
ध	-	नि	सां	रीं	-	सां	नि	सां	-	(नि)ध	ध
ऽ	ऽ	डि	वि	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	णा	म।
१		४		×		०		२		०	
नि	ध	प	-	प	प	-	(नि)ध	-	नि	सां	रीं
न	रं	ग	ऽ	ब	र	ऽ	च	ऽ	ऽ	प्रेम	खु।
१		४		×		०		२		०	
रीं	सां	नि	सां	ध	नि	ध	प	मं	प	प	मप
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	में॥
१		४		×		०		२		०	

देवसाख--त्रिताल. मध्य लय.

सा नि़ सा
र ति

री म री प म | नि प सां - | प नि प म प | म प ग म -
यां ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वी ऽ त ग | ई ऽ ऽ ऽ ।
० | ३ | × | २

म ग म ग म री | - री सा सा | नि सा सा नि प पम | री - सा सा
कू रूं ऽ को | ऽ न ग त | जी या व ब | रा ऽ व त ।
० | ३ | × | २

सा नि़ सा री म री | प म नि प | सां - प म | प म सा नि़ सा
च त रा ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ का ऽ | र न, र ति ॥
० | ३ | × | २

अंतरा.

म म प प | प नि प नि - | सां - सां सां | सां नि सां सां -
स गु न वि | चा ऽ रो ऽ | रे ऽ मो रे | ब म ना ऽ ।
× | २ | ० | ३

मं गं मं गं मं गं मं गं | मं गं - मं गं मं | म ग - म ग म | री री सा सा
पि यु क ब | आ ऽ वें ऽ | गे ऽ मो रे | घ र प र ।
× | २ | ० | ३

सा - सा प - | म - सा नि़ सा
हों ऽ पैं ऽ | यां ऽ, र ति ॥
× | २

गौरी—त्रिताल. (एक प्रकार).

मं मं ग रे	नि - सा ध	नि - - री	- री सा -
भ ट क त	का ऽ हे फि	रे ऽ ऽ वा	ऽ व रे ऽ ।
०	३	×	२
मं - ध ध	नि नि सा -	री - री री	(ग)री - सा -
न ऽ श्व र	त न को ऽ	कौ ऽ न भ	रो ऽ सो ऽ ।
०	३	×	२
सा सा प प	मं - प ध	मं ग री मं	ग री सा -
ख ट प ट	यूं ऽ हि क	रे ऽ ऽ वा	ऽ व रे ऽ ॥
०	३	×	२

अंतरा.

(ध)मं मं मं ग	(ध)मं - ध मंध	(सां)नि - सां सां	सां - सां -
क र म लि	खो ऽ उ त	नो ऽ हि मि	ले ऽ गो ऽ ।
०	३	×	२
(सां)नि - (सां)नि -	(सां)नि नि सां रें	(सां)नि - सां -	नि ध प -
ला ऽ खों ऽ	ज त न क	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२
प मं प ध	मं - मं ग	री ग मं ग	री - सा सा
च तु र रू	पा ऽ बि न	क छु न हिं	सा ऽ ध त ।
०	३	×	२
सा - प प	(ध)मं - प ध	(ध)मं - ग मं	ग री सा -
का ऽ हे को	सो ऽ च क	रे ऽ ऽ वा	ऽ व रे ऽ ॥
०	३	×	२

मंप | ध प | प नि | ध - | प प | प मं | - ग
ऽ मोहे | धू ऽ | ब नें | जा ऽ | मो री | न आ | ऽ या ।
४ | × | ० | २ | ० | ३ | ४

गमरीरीग | - मं | - ध | मं ग | - ग | रीसा
आया | ऽ रे | ऽ ऽ | घ र | ऽ मे | ऽ रे ।
× | ० | २ | ० | ३ | ४

सानि | री ग | - ग | मं - | ग मंरी | ग मंप
अ रे | ऽ घ | ऽ र | मे ऽ | ऽ रे | ऽ,मोहे ।
× | ० | २ | ० | ३ | ४

अंतरा.

मं ध | सांसां | सां - | सांसां | - नि | रींसां
आ ऽ | ज सु | हा ऽ | ग की | ऽ रा | ऽ त ।
३ | ४ | × | ० | २ | ०

सांसां | - सां | रींसां | नि ध | रीं नि | ध प
स दा | ऽ रौं | ऽ ग | न्या ऽ | ऽ म | त ऽ ।
३ | ४ | × | ० | २ | ०

- प | मं ग | गमरीरीग | - मं | - ध | मं ग
ऽ ला | ऽ या | ला या | ऽ रे | ऽ ऽ | घ र ।
३ | ४ | × | ० | २ | ०

- ग | रीसा
ऽ मे | ऽ रे ॥ इ. ॥
३ | ४

राग कल्याण—धमाल.

सा ग -	री -	सासा	नि सा ग	री मं ग	
तूं ऽ	ही ऽ	भ ज	भ ज	ऽ रे	ऽ ऽ।
०	१	४	४	०	२
प नि ध प	- ध मं	ग री	मं ग म	गरी ग	री सा
म न	ऽ के	ऽ ष्ण	वा ऽ	सु दे	ऽ व।
०	१	४	×	०	२
सा री	ग ग री	- सा	सा री	ग री	सारी सा
प द	म ना	ऽ भ	प र	म पु	रु ष।
०	१	४	×	०	२
सा री	मं ग मं	ग मं प	मं प री	ग री	सासा
प र	मे ऽ	स र	ना ऽ	रा ऽ	य न॥
०	१	४	×	०	२

अंतरा

मंप ग	ग मंप	ध प	सांसां	सांसां	सांसां
जो ऽ	ग जा	ऽ ग	ज प	त प	क र।
×	०	२	०	३	४
नि -	नि नि	सां ध	सां -	निनि	धप प
बा ऽ	म दे	ऽ व	ना ऽ	र द	मु नि।
×	०	२	०	३	४
मंप प	नि ध	प ध	प मं	ग मं	प प
व सी	ऽ ष्ट	स न	का ऽ	ऽ दि	क स।
×	०	२	०	३	४
मंप मं	ग री	सा री	सासा	सा री	सासा
क ल	सु र	गा ऽ	व त	ध्या ऽ	व त।
×	०	२	०	३	४
मंग -	मं प	- प	निसां	निनि	धप प
अ ऽ	ष्ट जा	ऽ म	क र	त र	ह त।
×	०	२	०	३	४
प री	ग री	सारीसा			
पा ऽ	रा ऽ	य न॥			
×	०	२			

सां नि ध प | ^म^ग म प प | ^प^ध प ^म^ग म | ग - - -
क ल गु नि | गा ऽ व त | का ऽ लि ग | दा ऽ ऽ ऽ ।
२ ० १ ×

^सां^नि सा ग म | प ध नि सां | ^प^ध नि सां नि | ध - प प
भै ऽ र व | मे ऽ ल व | ना ऽ य स | दा ऽ, गु नि ॥
० १ × २

^म^ग म प प
गा ऽ व त ॥ इ. ॥
०

अंतरा.

प ध प ध | नि - सां - | सां रीं सां रीं | नि - सां -
पौं ऽ च म | वा ऽ दी ऽ | सु र स म | वा ऽ दी ऽ ।
० १ × २

सां रीं सां रीं | ^नि^सां नि प ध | नि सां नि ध | प - ^प^ध प
सं ऽ धि प्र | का ऽ श सु | सा ऽ ध स | दा ऽ, गु नि ॥
० १ × २

^म^ग म प प
गा ऽ व त ॥ इ. ॥
०

केदार—झपताल.

प	ध म	म प प	(म)प -	सां - -
अ	र ज	दा ऽ इत	मे ऽ	री ऽ ऽ।
	०	१	×	२
	प नि	सां - रीं	सांनि	ध प -
	हो ऽ	वे ऽ क	वू ऽ	ले ऽ ऽ।
	०	१	×	२
	म म	प ध प	म -	(री)सारीसा
	म क	वू ऽ ले	अ ऽ	ला ऽ के।
	०	१	×	२
	सासा	(सा)म (म)प प	ध -	म - (म)ध
	ह ज	र त र	सू ऽ	ले ऽ, अ॥
	०	१	०	२

अंतरा.

प प	सां - सां	सांसां	सां - सां
स व	का ऽ ह	स न	औ ऽ र।
×	२	०	१
प नि	सां - रीं	सांनि	ध - प
हो ऽ	सै ऽ न	बै ऽ	तो ऽ ल।
०	२	०	१
सासा	म - म	प -	सां - रीं
द स	का ऽ क	रो ऽ	हो ऽ न।
×	२	०	१
सांनि	ध प ध		
तू ऽ	ले ऽ, अ॥		
×	२		

यमनी बिलावल—चौताल.

नि सा ग	रीं ग ग	म म ग ग	री मं ग	प प	प -
तूं ऽ	कि त	क र	त मा	ऽ न	का ऽ।
१	४	×	०	२	०
प प	ग री	ग री ग	सा ग री	ग री	सारी
न्ह सों	ऽ ऽ	ए ऽ	ऽ री	ऽ ऽ	ऽ ऽ।
१	४	×	०	२	०
- सा	- सा	नि̣ ध̣	प̣ साध̣	सासा	रीसा
ऽ ग्वा	ऽ ल	वा ऽ	ऽ ल	ऽ नि	प ट।
१	४	×	०	२	०
- सा	म ग प	ग -	ग री ग	रीसा	रीधसा
ऽ न	ट ऽ	ना ऽ	ऽ ग	ऽ र	ऽ ऽ॥
१	४	×	०	२	०

अंतरा.

पग प	प सां ध	सां ध प	सां -	- सां	-सां
ते ऽ	सी तो	ऽ ऽ	ही ऽ	ऽ ओ	ऽ र।
×	०	२	०	१	४
सांधनिध	निधसां	- गं	रीं सां -	- सां	ध प
दे ऽ	ऽ खी	ऽ न	ले ऽ	ऽ खी	ऽ ऽ।
×	०	२	०	१	४
ग -	- प	ध रीं	सां सां ध	सां प	ग प
ऐ ऽ	ऽ सी	ऽ च	तु र	ऽ रू	ऽ प।
×	०	२	०	१	४
ग -	री ग	रीसा	रीधसा		
आ ऽ	ऽ ग	ऽ र	ऽ ऽ॥		
×	०	२	०		

प्रो० विष्णुबोवा देशपांडे, ग्वाल्हेर.

सा | री सा म री	प - प प	म प ध प	म - री प
क | ह त म न	रौं ऽ ग रा	ऽ ग नी को	औं ऽ ग ई।
३	×	२	०
ध प सां रीं	सां प ध प	मंपधमंपगमपगम	म री सा री
प त प र	स त ग नि	सो ऽ हे ऽ	अ मि त, का।
३	×	२	०

अंतरा.

प | ध प सां सां	सांरीं सांसां	रीं सां मं रीं	सांध पमंपध
रि | प सु र स	ह च र को	उ के हि लं	पू र न का।
३	×	२	०
ध प म सा	री री सा सां	मं रीं सां मंपध	ध म री सा
मो ह क हे	च तु र गु	रू ज न को	सु म त, का।
३	×	२	०

भूपाली—झबताल.

[री]ग	ग री	सा सा री	ग -	[री]ग - ग
क	र त	मो ह न	आ ऽ	ला ऽ प।
	०	१	×	२
	[प]ग प	[सां]ध [सां]ध सां	ध प	ग ग री
	शा ऽ	ला के ऽ	नि य	म स र।
	०	१	×	२
	[प]ग प	[सां]ध [सां]ध सां	सां सां	[ध]सां रीं सां
	रा ऽ	गू रू ऽ	प क	भे ऽ द।
	०	१	×	२
	[सां]गं रीं	सां रीं सां	ध प	[ध]सां ध प
	स ब	हु प र	ग ट	क र, क॥
	०	१	×	२

अंतरा.

[प]ग -	प [ध]सां ध	सां -	सां सां सां
स्था ऽ	इ सु र	व्य ऽ	धं अ रु।
०	१	०	२
[सां]ध -	ध सां रीं	सां रीं	सां ध पग
अ ऽ	धं स्थि त	अ व	धि क र।
०	१	×	२
ग ग	प [सां]ध -	सां सां	रीं सां सां
हि गु	ण को ऽ	च ल	न क र।
०	१	×	२
[सां]गं रीं	सां रीं सां	ध प	[ध]सां ध प
ह र	ख त गु	नि च	त र, क॥
०	१	×	२

देशकार—त्रिताल.

(ग)प ग प -	प - ध प	ध - - प	ध - प प
ह र को ऽ	ना ऽ म उ	चा ऽ ऽ र	तूं ऽ न र ।
०	३	×	२
(सां सां)ध ध सां ध	- प ध प	(प)ग प ध प	गरी सासा
नि रा ऽ का	ऽ र नि र	वि ध अ त	मं ऽ ग ल ।
०	३	×	२
सासा रीरी	(प)ग - प प	ध ध ध प	सां - सां ध
त ज म न	को ऽ म ल	शु चि ध र	अं ऽ त र ।
०	३	×	२
सां सां गं रीं	सां रीं सां ध	(ध)प प ध प	गरी सासा
भ ज क रु	णा ऽ क र	नि र गु ण	अ घ ह र ।।
०	३	×	२

अंतरा.

(ग)प - ग ग	प - ध ध	सां - सां सां	सांरीं सांसां
जो ऽ उ प	दे ऽ श क	रे ऽ हि र	दे ऽ न र ।
०	३	×	२
सां - ध ध	सां - सां सां	सां रीं सां रीं	सां - (ध)प ध
गा ऽ व त	प्रा ऽ त स	मे ऽ अ त	सु ऽ स्व र ।
०	३	×	२
(प)ग - ग प	- प प प	ध - ध प	ध - प प
ए ऽ क भा	ऽ व ध र	प्रे ऽ म पु	र ऽ रस र ।
०	३	×	२
सां - गं रीं	सां रीं सां -	प - ध प	गरी सासा
पा ऽ य च	तु र उ ऽ	द्धा ऽ र हि	भू ऽ प र ।।
०	३	×	२

बिहाग—त्रिताल.

(नि)सा म ग प	- प (सां)नि नि	सां नि (प) -	(म)ग म प म
लं ग र धी	ऽ ट म ग	म ग रो ऽ	कु त व र ।
०	३	×	२
ग - (री)सा -	नि़ नि़ सा -	प़ - नि़ नि़	सा - - -
जो ऽ री ऽ	स ज नी ऽ	का ऽ वि ध	हों ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२
सा (सा)म ग म	ग म ग -	(ग)प प (प)म ग	म ग - सा
प नी या भ	र न सा ऽ	ग र को ऽ	ऽ जा ऽ ऊं ।।
०	३	×	२

अंतरा.

प - सां -	सां - सां सां	सां सां - सां	- रीं सां -
हों ऽ तो ऽ	ला ऽ ज त	म री ऽ जा	ऽ त हूं ऽ ।
०	३	×	२
सां - गं -	(गं)मं - गं रीं	(निं)सां - नि प	प प नि नि
बे ऽ तो ऽ	छां ऽ ड त	बा न न न	सु ब र स ।
०	३	×	२
(म)ग म प नि	सां नि (प) -	(प)ग म प म	ग - सा सा
नौं ऽ द को	धो ऽ टा ऽ	नि ल ज म	हो ऽ मो हे ।
०	३	×	२
प़ प़ नि़ नि़	सा - (म)ग ग	प - म ग	म ग - सा
दु ब र भ	यो ऽ ब स	बो ऽ जे ऽ	ऽ ठां ऽ व ।
०	३	×	२
प नि सां रीं	सां नि (प) -	प प (प)म ग	म ग - सा
रा ऽ ज क	रे ऽ गो ऽ	कु ल के ऽ	ऽ गां ऽ व ।।
०	३	×	२

ी बिलावल—झपताल.

ग रे	ग - ग	ग म	गरी ग -
य म	नी ऽ बि	ला ऽ	व ली ऽ।
×	२	०	१
प पम	ध प प	ग म	गरी ग रीसा
स ब	च तु र	मा ऽ	न त ऽ।
×	२	०	१
सासा	ग री सा	रीसानि	ध - प
प्र थ	म ऽ प्र	ह र	गे ऽ य।
×	२	०	१
प -	ध प पम	ग म	गरी ग रीसा
रा ऽ	ग नि क	हा ऽ	व त ऽ॥
×	२	०	१

अंतरा.

ध ध	नि सां सां	सां -	सां रीं सां
बे ऽ	ला ऽ व	ली ऽ	सौं ऽ ग।
×	२	०	१
सां रीं	गं मं रीं	रींसांनि	ध - प
क ऽ	ल्या ऽ ण	को मि	ला ऽ य।
×	२	०	१
ग -	प प प	सां नि	ध प प
बा ऽ	दी सु र	ख र	ज क र।
×	२	०	१
प ग	प ध प	ग म	गरी ग रीसा
स ब	को ऽ रि	झा ऽ	व त ऽ॥
×	२	०	१

हिंदोल—चौताल.

सां -	सां धि	मं ग	निध	मं ग	-सा
मा ऽ	न त	स ब	ज न	हिं दो	ऽ ल।
×	०	२	०	३	४
नि सा -	सा धि	सासा	नि सा ग	मं ग	सासा
रा ऽ	ग म	धु र	ओ ऽ	ड व	सु र।
×	०	२	०	३	४
सासा	मं ग ग	मं ग	ध मं ध	ध मं ध	सां ऽ।
×	०	२	०	३	४
नि सां गं	सां नि	ध मं	ग मं	ग ग	सा ऽ॥
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

मं ग -	ध मं ध	ध मं ध	ध सांसां	सांसां	सांसां
वा ऽ	दी ऽ	धै ऽ	व त	सु र	क र।
×	०	२	०	३	४
सांसां	सां गं -	सां धि	ध मं -	सांसां	ध ध
स म	वा ऽ	दी गं	धा ऽ	र वि	च र।
×	०	२	०	३	४
सांसां	सां गं गं	मं मं	मं गं गं	मं गं	सांसां
व र	ज त	रि प	प्र थ	म प्र	ह र।
×	०	२	०	३	४
सा सां -	सां धि	ध मं सां	सां ध	मं ग	सासा
सो ऽ	ह त	नि त	सु र	स च	त र॥
×	०	२	०	३	४

यमन—एकताल.

	नि नि	मं प	पं धं	प गं	- ग
स ब	गु नि	ज न	य म	न गा	ऽ त।
×	०	२	०	३	४
गं -	ग री	ग प	री ग	री सा	- सा
ती ऽ	त्र र	सु र	क र	त सा	ऽ ध।
×	०	२	०	३	४
सा सा	रें रें	ग ग	मं मं	प प	ध ध।
×	०	२	०	३	४
नि नि	रें रें	गं रें	सां रें	सां नि	ध प।।
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

पं ग	प -	ध प	सां -	सांसां	- सां
सु र	वा ऽ	दि गं	धा ऽ	र सा	ऽ ध।
×	०	२	०	३	४
सांसां	रीं -	गं रीं	सांसां	नि नि	ध प
स म	वा ऽ	दी ऽ	क र	नि खा	ऽ द।
×	०	२	०	३	४
प ग	ग प	प प	नि ध	नि ध	मं प
रा ऽ	त स	म य	प्र थ	म प	ह र।
×	०	२	०	३	४
सांसां	नि नि	मं प	पं ग	प री	- सा
च तु	र सु	ज न	म न	री झा	ऽ त।।
×	०	२	०	३	४

...क नोटेशन चिन्होंका

रि, ग, ध, नि, स्वरोंके नीचे — यह चिन्ह हो, तो उनको कोमल स्वर समझना. उ. रि, ग, इ. और ऐसा चिन्ह न हो, तो उनको तीव्र समझना.

म ऐसा लिखा हो, तो उसको शुद्ध या कोमल समझना.

मे ऐसा लिखा हो, तो उसको तीव्र समझना.

नि, ध, प, म, इ. स्वरोंके नीचे बिंदु हों तो वे मंद्रस्थानके स्वर समझना.

सां, रिं, गं, मं, इ. स्वरोंके उपर बिंदु हों तो वे तारस्थानके स्वर समझना.

‿ इस चिन्हके अंदर लिखे हुवे स्वर एकमात्रा कालमें गाए जावेंगे.

⁀ यह चिन्ह "मींड" वाचक समझना.

किसी स्वरके उपर बांई तरफ, "ग/प" ऐसा दूसरा स्वर छोटे टाइपमें लिखा हो, तो उसको "Grace Note" (अलंकारिक स्वर) समझना. यदि नवीन विद्यार्थी ऐसे अलंकारिक स्वर प्रथमत: अपने गलेसे न भी निकाल सकें तोभी रागहानि नहीं होगी. ऐसे स्वर निकालनेसें रागकी रंजकता अवश्य बढेगी परंतु उनके अभावसें रागका स्वभाविक स्वरूप बिगडता नहीं.

— जहां कोइ स्वरके आगे ऐसा चिन्ह हो, "ग—", तो वह उस चिन्हसे पिछला स्वर एक मात्राकाल तक लंबाया जावेगा.

ऽ गीतके बोलोंमें जहां ऐसा अवग्रह चिन्ह होगा, वहां पिछले अक्षरका अंत्य स्वर एकमात्रा काल तक लंबाया जावेगा,

X यह चिन्ह तालकी "सम" बतलानेके लिये है. तालका पहिला ठोका (ताली) इसी समपर माना जावेगा.

o यह चिन्ह तालकी "खाली" बतलावेगा.

(प) किसी स्वरको अर्धचंद्रद्वयमें ऐसा लिखा हो तो वहां "ध प म प" पढना, इसीतरहा (सा) =रे सा नि सा, और (म)=प म ग म, पढ लेना.